चार खुट में फिरो भल्याई दिल का भेद नहीं देणा रे

चार खुट में फिरो भल्याई,
दिल का भेद नहीं देणा रे।

दोहा – सतगुरु दिख्या आवता,
दि जाजम बिछ्वाई,
फुला कि बरखा हुई,
मारे रहि चमेली छाय।

चार खुट में फिरो भल्याई,
दिल का भेद नहीं देणा रे,
कर गुजरान गरीबी में रेणा,
ये सतगुरु जी रा केणा रे।bd।

गगन मंडल में गाय बियाई,
धरती में महिडो जमाया रे,
माखन माखन साधु खाया,
छाछ सकल बरताणा रे,
कर गुजरान गरीबी में रेणा,
ये सतगुरु जी रा केणा रे।bd।

मरदा सगं में करो दोस्ती,
क्या त्रिया सगं रेणा रे,
पल में राजी पल में बेराजी,
पल पल नार पराई रे,
कर गुजरान गरीबी में रेणा,
ये सतगुरु जी रा केणा रे।bd।

नैण बाद समझाऊँ रे जिव न,
परघर पावं न देणा रे,
इण पाणी से रतन निपजे,
हेल्ला नहीं गवाणा रे,
कर गुजरान गरीबी में रेणा,
ये सतगुरु जी रा केणा रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

फिर रया प्याला प्रेम का,
प्यासा हो सो पिणा रे,
गुरु शरणे जति गोरख बोल्या,
गगंन मण्डल घर करणा रे,
कर गुजरान गरीबी में रेणा,
ये सतगुरु जी रा केणा रे।bd।

चार खुट मे फिरो भल्याई,
दिल का भेद नहीं देणा रे,
कर गुजरान गरीबी में रेणा,
ये सतगुरु जी रा केणा रे।bd।

गायक – कमल योगी।
9829678735

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com